

प्रारूप-6 प्रारम्भिक संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट का प्रारूप

आज दिनांक 03-06-2017 को पीएम0जी0एस0वाई0 सिंचाई खण्ड, पुरोला (एजेन्सी का नाम) के द्वारा सौड़ से ओसला तक बनाये जाने वाले मार्ग/प्रस्तावित परियोजना को बनाये जाने हेतु स्थल निरीक्षण किया गया। संयुक्त निरीक्षण के समय वन विभाग की ओर से श्री रघुवीर सिंह चौहान, वन दारोगा राजस्व विभाग की ओर से श्री सुखवीर सिंह असवाल, उपराजस्व निरीक्षक, गंगाड़ प्रस्तावक विभाग की ओर से श्री सुभाष दौरियाल, अन्य दावेदारों की ओर से श्री राजपाल सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता ग्राम डाटमीर तथा स्थानीय प्रतिनिधि के रूप में श्रीमती सुशीला, ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत ओसला के द्वारा प्रश्नगत परियोजना को बनाने हेतु सर्वश्रेष्ठ स्थल/समरेखन के चयन तथा अन्य वैकल्पिक स्थलों/समरेखनो के चयन हेतु भाग लिया गया।

संयुक्त निरीक्षण में पाया गया कि सामाजिक आवश्यकता, परिस्थितिक आवश्यकता, आर्थिक मितव्यता तथा तकनीकी आवश्यकता के दृष्टि से जो समरेखन/स्थल सर्वथा उपयुक्त पाया गया है उसमें 4625 (मी0) नाप भूमि.से, 8000 (मी0) सिविल भूमि से, — (मी0) वन पंचायत से, 15625 (मी0) आरक्षित वन भूमि प्रभावित होगी एवं इस समरेखण / स्थल के चयन में कुल 4.1625 हे0 नाप भूमि, 7.20 हे0 सिविल भूमि, — हे0 वन पंचायत भूमि 14.0625 हे0 आरक्षित वन भूमि की आवश्यकता होगी। जिनमें से कुल 22.2165 हे0 भूमि के हस्तान्तरण की आवश्यकता होगी। इस समरेखन पर / चुने गये स्थल पर लगभग 172 वृक्ष चीड़, प्रजाति के इस परियोजना के निर्माण से प्रभावित होंगे, जिनमें से 0 बांज प्रजाति के प्रभावित होंगे।

इस समरेखण के तुलना में जो वैकल्पिक समरेखण देखे गये उसमें 4725.00 (मी0) नाप भूमि.से, 8150.00 (मी0) सिविल भूमि से, शून्य (मी0) वन पंचायत से, 15875.00 (मी0) आरक्षित वन भूमि प्रभावित होगी एवं इस समरेखण/स्थल के चयन में कुल 4.2525 हे0 नाप भूमि, 7.335 हे0 सिविल भूमि शून्य हे0 वन पंचायत भूमि 14.2875 हे0 आरक्षित वन भूमि की आवश्यकता होगी। जिनमें से कुल 22.5765 हे0 भूमि के हस्तान्तरण की आवश्यकता होगी। इस समरेखन पर / चुने गये स्थल पर लगभग 216 वृक्ष विभिन्न प्रजाति के इस परियोजना के निर्माण से प्रभावित होंगे, जिनमें से 02 बांज प्रजाति के प्रभावित होंगे।

अतः परियोजना के निर्माण हेतु चयनित विकल्प संख्या प्रथम के वन भूमि के अतिरिक्त अन्य वैकल्पिक एवं उपयुक्त भूमि उपलब्ध नहीं है तथा इस चुने गये वन भूमि की मांग न्यूनतम है।

चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखण आरक्षित वन 04 कक्षों से गुजरेगा/में स्थित है। इन कक्षों की वर्तमान वन आच्छादन सामान्य है एवं इन कक्षों में विभिन्न प्रजाति के वन हैं। प्रभावित होने वाली नाप भूमि 4.1625 हे0 पर शून्य प्रजाति के वन हैं एवं प्रभावित होने वाली सिविल तथा नाप भूमि पर चीड़ प्रजाति के वन हैं जिनका वर्तमान वन आच्छादन 0.2 है। चुने गये समरेखन का प्रारम्भ होने के स्थल का GPS मान 78°07'55.40"E 30°56'21.70"N है तथा यह स्थल से प्रारम्भ होता है तथा समरेखण का अन्तिम स्थल है जिसका GPS मान 78°07'30.46"E 30°56'43.20"N है। चुने गये समरेखण/स्थल के बीच के स्थलों के GPS मान 78°07'30.68"E 30°56'36.35"N हैं।

चयनित समरेखन में कुल शून्य पौधों को अन्य स्थानन्तरित (translocate) किया जाना आवश्क होगा।

चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखण किसी राष्ट्रीय पार्क/वन्य जीव अभ्यारहण्य का हिस्सा नहीं है।

चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखण के चयन से ग्रामवासियों के परम्परागत अधिकारों का हनन नहीं होगा।

इस समरेखण पर मोटर मार्ग निर्माण के निर्माण के दौरान जो मलवा उत्सर्जित होगा उसके निस्तारण हेतु 15

स्थल उपयुक्त पाये गये हैं जिनका GPS मान 78° 14' 36.632" E, 31° 4' 39.660" N, 78° 15' 4.532" E, 31° 4' 40.280" N, 78° 15' 34.992" E, 31° 4' 40.252" N, 78° 16' 38.469" E, 31° 4' 51.802" N, 78° 16' 41.153" E, 31° 5' 19.142" N, 78° 18' 1.447" E, 31° 5' 54.950" N, 78° 18' 27.183" E, 31° 6' 5.194" N, 78° 18' 41.912" E, 31° 6' 18.231" N, 78° 18' 40.873" E, 31° 6' 22.210" N, 78° 18' 39.020" E, 31° 6' 28.425" N, 78° 18' 32.876" E, 31° 6' 34.198" N, 78° 19' 52.874" E, 31° 6' 47.803" N, 78° 20' 33.307" E, 31° 7' 0.726" N, 78° 19' 55.694" E, 31° 6' 57.218" N, 78° 20' 25.686" E, 31° 7' 3.937" N हैं।

(सुभाष दौरियाल) सहायक अभियंता नि0ख0, लो0नि0वि0, पुरोला (उत्तरकाशी)	(श्री रघुवीर सिंह) चौहान, वन दारोगा सांकरा रेंज, गो0व0जी0वि0, पुरोला	(श्री सुखवीर सिंह) असवाल) उपराजस्व निरीक्षक, गंगाड़ मोरी (उत्तरकाशी)	(राजपाल रावत) सामाजिक कार्यकर्ता ग्राम गंगाड़ मोरी (उत्तरकाशी)	(श्रीमती सुशीला देवी) प्रधान ग्राम पंचायत ओसला, मोरी (उत्तरकाशी)
(प्रयोक्ता एजेन्सी)	(वन विभाग)	(राजस्व विभाग)	(अन्य दावेदार)	(जन प्रतिनिधि)

नोट- इस रिपोर्ट पर भूवैज्ञानिक की राय भी प्रस्ताव बनाने से पूर्व में ही प्राप्त कर ली जाये।